

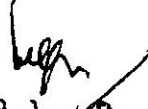
| <p>तारीख हुकम</p> | <p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज</p> | <p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p> |
|-----------------------|--|---|
| <p>21/10/20</p> | <p>पञ्जाब पेश हुयी अधिवक्ता प्रार्थी एवं अधिवक्ता अधिकारी आरिश्त। बहस प्रकटा उभय पक्ष सुनी गई अधिवक्ता प्रार्थी ने जस्टिशुदा वाहन की अनुसंधान में आवश्यकता नहीं होने बताते हुए जमानत एवं सुपुर्छाई पर, न्यायालय कार्य विहित शर्तों पर वाहन संख्या RJ09 GA 4407 तथा 407 को, वाहन स्वामी को सुपुर्द करने हेतु निवेदन किया। अधिवक्ता अधिकारी का मुख्य ध्यान यह रहा कि प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा तथा 407 के आश्रित संबंधी दस्तावेज पेश किए लेकिन वाहन को रिजिल करने पर पुनः उर्वर्य कारोबार में काम लेने की पूर्ण सम्भावना है। अतः जस्टिशुदा वाहन प्रार्थी को सुपुर्द नहीं किया जावे। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा दस्तावेजों के आधार पर निवेदन किया कि उक्त जस्टिशुदा वाहन प्रार्थी का ही है तथा अधिवक्ता, शाना कोतवाली, पित्तोड़गढ़ ने भी जस्टिशुदा वाहन सं. RJ09 GA 4407 तथा 407 की अनुसंधान में आवश्यकता नहीं होने बताया है। प्रकटा में उभय पक्ष की बहस एवं प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन एवं मनन किया गया। उपलब्ध रिकॉर्ड से निर्विवाद रूप से स्पष्ट है कि जस्टिशुदा वाहन सं. RJ09 GA 4407 तथा 407 वाहन का स्वामित्व प्रार्थी का है एवं अधिवक्ता, शाना कोतवाली ने भी अपने की-ट्रस में जस्टिशुदा वाहन सं. RJ09 GA 4407 तथा 407 की अनुसंधान में आवश्यकता नहीं होने बताया है। अतः जस्टिशुदा</p> | |



(Handwritten Signature)
(के.के. शर्मा)

कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
चित्तौड़गढ़

..... 21/10/20

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए |
|----------------|--|--|
| | <p>तकन संख्या R309 GA 4407 21/1/2017</p> <p>की 10,00,000/- अक्षरे दस लाख रुपए के जमानतनामा एवं सुपुर्दगीनामा प्रस्तुत करने पर विधिक स्वामी को सौंपे जाने के आदेश दिए जाते हैं</p> <p> (के.के. शर्मा) कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट चित्तौड़गढ़</p> | |

